Q.P. Code – 56561

M.A. (Previous) Degree Examination, OCTOBER/NOVEMBER 2015

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 510) Paper I – AADHUNIK HINDI KAVITA

आधुनिक हिंदी कविता

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70/80*

4 × 16 = 64

1. (a) 'साकेत' में अभिव्यक्त उर्मिला के विरह वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

(b) जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

2. (a) मौन निमंत्रण कविता का मूल्याकंन कीजिए।

(अथवा)

(b) परिवर्तन कविता की चर्चा कीजिए।

3. (a) सरोज स्मृति की काव्यगत विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

(अथवा)

(b) असाध्य वीणा कविता का सार लिखिए।

4. (a) चिन्ता सर्ग का सार लिखिए।

(अथवा)

(b) नदी के द्वीप कविता का सार लिखकर उसकी विशेषताएँ लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (**70** अंकवाले किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखें और **80** अंकवाले विद्यार्थियों के लिए किन्हीं **तीन** प्रश्न अनिवार्य है।) **16**

(a) "तरुण–तपस्वी सा वह बैठा साधन करता सुर–श्मशान।
नीचे प्रलय–सिन्धु लहरों का होता था सकरुण अवसान।।"

(b) "मिलाप था दूर अभी धनी का,
विलाप ही था बस का बनी का।
अपूर्व आलाप वही हमारा,
यथा विपंची–दिर दार दारा।"

(c) "धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध
धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध।
जानकी। हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।"

(d) "इससे पहले आत्मीय स्वजन
सस्नेह कह चुके थे, जीवन
सुखमय होगा, विवाह कर लो
जो पढ़ी–लिखी हो सुन्दर हो।"

(e) "आज पावस–नद के उदगार
काल के बनते चिन्ह–कराल
प्रात का सोने का संसार,
जला देती संध्या की ज्वाल।"

Q.P. Code – 56562

M.A. (Previous) Degree Examination, OCTOBER/NOVEMBER 2015

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 520) Paper II – HINDI KI GADYA VIDHAYEN

हिन्दी की गद्य विधाएँ

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70/80*

4 × 16 = 64

1. (a) 'दायरा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(अथवा)

(b) कहानी के तत्वों के आधार पर 'अमरुद का पेड' कहानी का विश्लेषण कीजिए।

2. (a) 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

(b) 'मीना कहाँ है' एकांकी का विवेचन कीजिए।

3. (a) 'भाव या मनोविकार' निबंध की समीक्षा कीजिए।

(अथवा)

(b) 'उत्साह' निबंध की चर्चा कीजिए।

4. (a) उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'मैला आँचल' का विवेचन कीजिए।

(अथवा)

(b) 'मैला आँचल' के प्रमुख नारी पात्रों का विश्लेषण कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (**70** अंकवाले किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखें और **80** अंकवाले विद्यार्थियों के लिए किन्हीं **तीन** प्रश्न अनिवार्य है।) **16**

(a) "मनविकारों या भावों की अनुभूतियाँ परस्पर तथा सुख या दुःख की मूल अनुभूति से ऐसी ही भिन्न होती हैं जैसे रासायनिक मिश्रण परस्पर तथा अपने संयोजक द्रव्यों से भिन्न होते हैं।"

(b) "यह जीना भी कोई जीना है! निर्लज्जता और थेथरई की भी सीमा होती है। ..... पंद्रह साल से वह गले में मृदंग लटकाकर गाँव–गाँव घूमता है, भीख माँगता है।"

(c) "इतनी कलक होती है तो पहले ही ब्याह कर लिया होता। इस तरह डाँट रहे हो लाल जैसे मैं तुम्हारी जोरु हूँ। खबरदार, फिर कभी आँख दिखायी तो.....।"

(d) "क्षमा आर्य! बैठकर मरने में मुक्ति नहीं, ऐसा मृत्यु पांडुवंश में नहीं होती। कभी नहीं हुई! जीना और संग्राम करके जीना, यह पांडुकुल की शक्ति है। "

(e) "जाति बहुत बड़ी चीज़ है। जात–पात नहीं माननेवालों की भी जाति होती है। सिर्फ हिंदु कहने से ही पिंड नहीं छूट सकता। ब्राह्मण हैं?... कौन ब्राह्मण! गोत्र क्या है? मूल कौन है?"

Q.P. Code – 56563

M.A. (Previous) Degree Examination, OCTOBER/NOVEMBER 2015

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 530) Paper III – HINDI SAHITYA KA ITIHAS AUR VYAKARAN

हिंदी साहित्य का इतिहास और व्याकरण

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70/80*

4 × 16 = 64

1. (a) रासो साहित्य की विशेषता बताते हुए प्रथ्वीराज रासो की वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

(अथवा)

(b) नाथ और सिद्ध साहित्य की प्रवृत्ति का विश्लेषण कीजिए।

2. (a) कृष्ण भक्ति काव्य में 'सूर' का स्थान निर्धारित कीजिए।

(अथवा)

(b) रीतिकाल की प्रमुख तीन प्रवृत्तियों की विशेषताओं का आकलन कीजिए।

3. (a) कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

(अथवा)

(b) वचन की परिभाषा देते हुए उसके भेद और रूपांतर के नियम को सोदाहरण समझाइए।

4. (a) सर्वनाम के कार्य और भेद पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

(b) संधि की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों को सोदाहरण समझाइए।

5. टिप्पणी लिखिए (किन्हीं **तीन** का)। (**70** अंकवाले टिप्पणी में से **एक** प्रश्न का उत्तर लिखें और **80** अंकवाले विद्यार्थियों के लिए किन्हीं **तीन** प्रश्न अनिवार्य है।) **16**

(a) कबीर

(b) बिहारी

(c) रास साहित्य

(d) विशेषण

(e) समास

Q.P. Code – 56564

M.A. (Previous) Degree Examination, OCTOBER/NOVEMBER 2015

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 540) Paper IV – PRAYOJANMOOLAK HINDI AUR ANUVAD

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70/80*

4 × 16 = 64

1. (a) प्रयोजनमूलक हिन्दी पर एक लेख लिखिए।

(अथवा)

(b) अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

2. (a) सरकारी पत्र और अर्धसरकारी पत्र को सोदाहरण समझाइए।

(अथवा)

(b) पारिभाषिक शब्दावली पर एक लेख लिखिए।

3. (a) अनुस्मारक और अधिसूचना को सोदाहरण समझाइए।

(अथवा)

(b) टिप्पण क्या है? टिप्पण के प्रकारों की चर्चा कीजिए।

4. अनुवाद कीजिए (अंग्रेजी अथवा कन्नड से हिन्दी में अनुवाद कीजिए)।

(a) Mira Bai is an outstanding figure in India's religious history. Her intense devotion to God has secured for her a place in the gallery of Indian saints. Her sincerity and strength of mind are unique and her renunciation grand. A princess by birth and queen by marriage. She did not hesitate to throw away her rank and comforts for the sake of her faith. She composed songs for the gratification of her own heart and not for making a name as a poet. As natural outpouring of her heart. They have a peculiar musical grace of their own. Mira Bai takes rank as a saint first and then as a poetess and singer.

ಬಸವೇಶ್ವರರು 12ನೇ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ಬಿಜಾಪುರ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಬಸವನಬಾಗೇವಾಡಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು. ತಮ್ಮ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸವನ್ನು ಕೂಡಲಸಂಗಮದಲ್ಲಿ ಜಾತವೇದ ಮುನಿಗಳ ಹತ್ತಿರ ಮುಗಿಸಿ ಬಿಜ್ಜಳನ ಆಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಭಂಡಾರಿಯಾಗಿ ನಂತರ ಮಹಾಮಂತ್ರಿಯಾದರು. ಇವರು ವೀರಶೈವ ಧರ್ಮವನ್ನು ಹೊಸ ಹೊಳಪು ನೀಡಿ ಬೆಳೆಸಿದರು. ಸಮಾಜದ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಲೋಕಕ್ಕೆ ಹೊಸ ಆಯಾಮವನ್ನೇ ನೀಡಿದರು ಕೂಡಲ ಸಂಗಮದೇವಾ ಇವರ ಕಾವ್ಯನಾಮ. ಇವರ ಸಮಕಾಲೀನರೇ ಆದ ಅಲ್ಲಮ ಪ್ರಭು, ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ, ಚೆನ್ನ ಬಸವಣ್ಣ ಮಡಿವಾಳ ಮಾಚಯ್ಯ, ಹರಳಯ್ಯ ಮುಂತಾದವರು ಸಾಹಿತ್ಯ ಕೃಷಿಯನ್ನು ಎಗ್ಗಿಗಲ್ಲದಂತೆ ನಡೆಸಿದರು. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿಯಂತೂ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಮೊದಲ ಕವಿಯತ್ರಿ ಎನಿಸಿದಳು.

(b) हिन्दी से कन्नड अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

मानव जीवन बडा अस्थिर है। परिवार के कमानेवाले की अकस्मात मौत हो जाए तो अनेक परिवार आर्थिक कष्ट में पडते हैं। बच्चों की शिक्षा–दीक्षा की भी बडी समस्या खडी हो जाती है। जीवन में अकस्मात पैदा होनेवाले आर्थिक कष्ट से छुटकारा दिलानेवाली संस्था है बीमा निगम बुढापे की असहाय अवस्था में भी एकमात्र आधार है बीमा। बीमा करने से मनुष्य भविष्य की चिंता से बचता है। बीमा भी एक सहकारी संघ है जहाँ दीर्घ–जीवी अल्प–जीवी की मदद करता है। हमारे देश में स्वातंत्र प्राप्ति के पूर्व बीमा व्यवसाय का अधिक प्रचार नहीं था। देश की जनता निरक्षर थी बीमा का महत्व नहीं जानती थी। साक्षरता में वृद्धि होने के साथ हमारे देश में बीमा व्यवसाय की भी वृद्धि हुई। पहले बीमा व्यवसाय निजी क्षेत्र में था। देश भर में बीमा कंपनियाँ थी, जिसके द्वारा जीवन बीमा तथा जनरल बीमाका व्यवसाय होता था। सन 1956 में हमारी सरकार ने जीवन बीमा का राष्ट्रीयकरण करके यह व्यवसाय अपने अधिकार में ले लिया।

5. टिप्पणी लिखिए (किन्हीं **तीन** का)। (**70** अंकवाले टिप्पणी में से **एक** प्रश्न का उत्तर लिखें और **80** अंकवाले विद्यार्थियों के लिए किन्हीं **तीन** प्रश्न अनिवार्य है।) **16**

(a) पृष्ठांकन

(b) ज्ञापन

(c) प्रेस विज्ञप्ति

(d) आलेखन

(e) परिपत्र